

विशेष
शिक्षक दिवस
5 सितंबर

हरिभूमि

रोहतक, मंगलवार
2 सितंबर 2025

सहली

ऑफिस में ऐसे बनेगी
अच्छी इमेज

हर वर्किंग वूमन वर्क प्लेस पर अपनी अच्छी इमेज बनाए रखना चाहती है। यह प्रोफेशनल प्रोग्रेस के लिए जरूरी भी है। अगर आप कुछ बातों का ध्यान रखेगी तो आपकी वर्क प्लेस इमेज बहुत बेहतर रहेगी, कुलींस ही नहीं, बॉस भी आपको एप्रिसिएट करेंगे।

वर्किंग वूमन
प्रतिभा अग्निहोत्री

अकसर देखा जाता है, एक ही ऑफिस में कुछ महिलाएं अपने वर्क प्लेस पर बहुत अच्छी इमेज बना लेती हैं, वहीं बाकी महिलाएं अधिक काम करके भी ऐसा नहीं कर पातीं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि कुछ महिलाएं सिर्फ काम करती हैं तो कुछ काम को स्मार्टली और बेहतर ढंग से अंजाम देती हैं। आप भी जरूर अपने वर्क प्लेस पर अपनी इमेज को अच्छा बनाना चाहेंगी, तो इन बातों को ध्यान में रखें-
पंचवचन रहें: अकसर महिलाओं को लगता है कि पांच-दस मिनट ऑफिस लेट आने से क्या फर्क पड़ता है या कौन सा बॉस देख रहा है? आपको यह सोच आपकी प्रोफेशनल इमेज को खराब करती है। एक बार खराब इमेज बन जाने पर उसे सुधारना काफी मुश्किल होता है। टाइम से दस मिनट पहले ऑफिस पहुंचने का नियम बनाएं, इससे आपके सीनियर्स को लगता है कि आप अपने काम के प्रति काफी सीरियस हैं।

विनम्र-व्यवहार कुशल बनें

कोई भी गलती हो जाने पर उसे विनम्रतापूर्वक स्वीकार करके सुधारने का प्रयास आपकी प्रोफेशनल लाइफ को बेहतर बनाएगा। अपने सहकर्मियों के साथ भी अपने व्यवहार को लचीला और सुमधुर रखें। इससे ऑफिस में आपकी छवि अच्छी रहेगी।

कंफर्ट जोन से बाहर निकलें: अकसर वर्किंग वूमन, किसी भी नए काम को करने या एक्सपेरिमेंट करने से बचती हैं, वे बने-बनाए ढर्रे पर चलना पसंद करती हैं। ऐसा करने के बजाय आप अपनी तरफ से इनोवेटिव प्रयास करें, अपने



काम में अपनी क्रिएटिविटी को जोड़ें। इस तरह काम करने से ऑफिस में आपकी एक अलग छवि बनेगी, जो आपकी प्रोफेशनल लाइफ की इमेज को बेहतर बनाएगी।
वीकनेस पर वर्क करें: अनामिका का अपने प्रोजेक्ट पर आइडिएशन बहुत अच्छा था, लेकिन उसका एग्जीक्यूशन उतना ही कमजोर था, जिससे अकसर उसका आइडिया भी फ्लॉप हो जाया करता था। ऐसा आपके साथ ना हो इसके लिए यह समझना होगा कि कमियां हर इंसान के काम में हो सकती हैं, लेकिन जरूरी है कि अपनी उन कमियों को पहचानें, उन्हें दूर करें। वर्कप्लेस में अपनी कमियों को पहचानकर उन्हें जल्दी से जल्दी दूर करने का प्रयास करें, इससे आपकी छवि बेहतर बनेगी।

समय सीमा का ध्यान रखें: हर काम की एक निश्चित समय सीमा होती है। बेहतर है कि आप अपने हर ऑफिसियल कार्य को समय सीमा में ही समाप्त करें, इससे आपका कार्य समय पर समाप्त होगा ही, साथ ही बॉस की नजरों में आपकी इमेज भी बहुत अच्छी रहेगी।
व्यवस्थित रहें: अपने काम पर हमेशा फोकस्ड रहें, साथ ही व्यवस्थित भी रहें। अपनी डेस्क, कबड और फाइल्स को हमेशा व्यवस्थित रखें ताकि जरूरत पड़ने पर आप इन्हें जल्दी से निकाल सकें या फिर आपकी अनुपस्थिति में कोई दूसरा भी आवश्यकतानुसार इनका उपयोग कर सके।

सबसे बड़ा
शिक्षक है समय

समय अच्छा हो या बुरा, समयानुसार घर-परिवार का जीवन, प्रोफेशनल लाइफ के उतार-चढ़ाव, ये हमें ऐसे सबक सिखाते हैं कि शिक्षक भी क्या सिखाएंगे। हर समय-काल में हम जो भी करते हैं, देखते हैं, ये सब हमें व्यावहारिक जीवन का पाठ पढ़ाते हैं, जीवन जीने की कला सिखाते हैं। जीवन में इसकी सार्थकता, उपयोगिता को हर किसी को जरूर समझना चाहिए।

आवरण कथा

डॉ. मोनिका शर्मा

घड़ी की टिक-टिक के साथ जिंदगी में हर पल, हर दिन, सामने आने वाले उतार-चढ़ाव, सुख-दुःख और सफलता-असफलता से जुड़े कई बदलाव। यानी, साथ चलने वाला टाइम जो सिखाता है, वो कोई नहीं सिखा सकता। पीड़ा का दौर हो या सुख का समय, अनगिनत सबक अपने साथ लाता है। यह हमसे जुड़े हालातों की ही नहीं, खुद हमारी हिम्मत और सूझ-बूझ की हकीकत से रूबरू कराता है। वक्त चाकई एक शिक्षक की तरह ही है, जो जीवन से जुड़े कितने ही फ्रंट्स पर एक नया नजरिया देता है। सीख और समझ के नए पाठ पढ़ाता है। कभी सजगता तो कभी सकारात्मकता के सबक देता है। जिंदगी का ऐसा कोई पहलू नहीं, जिससे जुड़ी सीख शिक्षकों से नहीं मिलती। कुछ इसी तरह समय भी जीवन के हर पक्ष पर कोई ना कोई सबक देता ही है, जरूरत इस बात की होती है कि वक्त के हर पड़ाव पर मिलने वाले अच्छे-बुरे सबक हम याद रखें।

सीखना एक सतत प्रक्रिया

'जब तक जीना तब तक सीखना, अनुभव ही जगत में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक है।' स्वामी विवेकानंद का यह कथन व्यावहारिक धरातल से जुड़ा सच है। सीखने की प्रक्रिया जीवन भर चलती है। समय की धारा में जीवन के पड़ाव बदलते रहते हैं।

वास्तविकता से परिचय

जिंदगी के हर फ्रंट पर वक्त इंसान को हकीकत से रूबरू करवाता है। अपने-पराए का भेद समझने की बात



हो या खुद अपने अहंकार के बदले कुछ खां देने की स्थिति, समय गुरु बन हर परिस्थिति को स्पष्टता से समझा देता है। समय के साथ बनने-बिगड़ने वाले हालात ही इंसान को जीवन के हर सच से मिलवाते हैं, कदा भी जाता है कि वक्त किसी के

परिस्थितियों में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, पर जिंदगी का हर लम्हा कुछ ना कुछ समझाकर जाता है, कभी दुःख में कोई

लिए नहीं रुकता। इसीलिए समय से मिलने वाली शिक्षाएं, जीवन में प्राथमिकताएं तय करने का भाव भी लाती हैं। बीते पल लौटकर नहीं आते, यह समझ जिंदगी को खुलकर जीने की सोच को बल देती है। समय-समय पर हुई गलतियां इंसान में गैर-जरूरी चीजों के पीछे भागते रहने के बजाय, सुकून के साथ जीने का जज्बा पैदा करती हैं। इतना ही नहीं, हकीकत के धरातल पर वक्त ही रिश्तों के कच्चे-पक्के रंगों से भी मिलवाता है। हकीकत का सामना करवाने वाला समय का फेर हमें जीवन के ही नहीं, मन के मोर्चे पर भी बदल देता है। समय इंसानी

समझ के पहलू को संवारता है। तालमेल की सांख्यिकता है। जैसे शिक्षकों की भूमिका सोच को दिशा देने में अहम होती ही है, व्यावहारिक समझ को बेहतर बनाने में भी उनका अमूल्य योगदान होता है, वैसे ही समय का पाठ समय ही पढ़ाता है।

सीख हमारे हिस्से आती है तो कभी सुख कोई पाठ पढ़ा जाता है। जीवन के कठिन दौर में इंसान धैर्य और ठहराव का सबक

सीखता है। वहीं सहजता और खुशियों को जीते हुए सहज और विनम्र बनने की सीख मिलती है। समझने वाली बात यह है कि दोनों ही हर तरह की परिस्थितियों के, एक सिक्के के दो पहलुओं की तरह जीवन में आती-जाती रहती हैं। कहते भी हैं कि समय एक जैसा कभी नहीं रहता, वक्त के साथ बहुत कुछ बदलता और नए रंग ढलता हुआ मानवीय जीवन का हिस्सा बना रहता है। जीवन की कक्षा में शिक्षक बन सबक सिखाने वाला समय कभी नहीं ठहरता, जिसके चलते जिंदगी में नए सबक पाने के मोर्चे पर भी कोई ठहराव आता है, यही बात जीवन को गतिशील बनाए रखती है।

हर पीड़ा का मरहम

वक्त हर पीड़ा का मरहम होता है। समय ही यह सिखाता है कि जीवन का हर दौर गुजर



जाता है, इसीलिए धैर्य और दृढ़ता का गुण हम टाइम टीचर से ही सीखते हैं। समय हमारे भीतर यह भरोसा जागता है कि मन की टूटन हो, रिश्तों का अलगाव हो या काम-काजी जिंदगी के फ्रंट पर कोई उलझाव-बिखराव, एक दिन सब ठीक हो जाता है। बस खुद को थामे रहने की दरकार होती है। कोई नेगेटिव कदम उठाने से दूर, वक्त दुःख-दर्द झेलते हुए धैर्य रखना सिखाता है। समय कभी बदलाव को स्वीकार आगे बढ़ना तो कभी हालातों का डटकर सामना करने का पाठ पढ़ाता है। कहते हैं कि समय के फेर के आगे इंसान कुछ नहीं कर सकता है। हां, इस फेर में 'टाइम टीचर' से बहुत कुछ सीखा जा सकता है। सच तो यह है कि इंसान किसी पुस्तक में पढ़े पाठ को भूल सकता है पर समय के उतार-चढ़ावों से मिले किसी भी सबक को भुलना पाना मुश्किल होता है। लाजिमी भी है, क्योंकि समय ऐसे सबक कठिन परीक्षा लेकर देता है। अनमोल कहा जाने वाला समय, जीवन के बहुत से पहलुओं पर वाकई अमूल्य सीख दे जाता है।

मेडिकल एडवाइस

डॉ. धीरज कपूर

एच.ओ.डी. एडोकाइजोलॉजी
आर्टिगलिस हॉस्पिटल, गुरुग्राम

हमारे शरीर में थायरॉइड नामक एंडोक्राइन ग्लैंड, गले के निचले हिस्से में स्थित होता है। इस ग्लैंड से खास तरह के हार्मोन टी-3 और टी-4 का स्राव होता है, जो शरीर की अनेक कोशिकाओं को सही ढंग से काम करने में मदद करते हैं। मेटाबॉलिज्म की प्रक्रिया को नियंत्रित करने में भी इन दोनों हार्मोंस का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इनकी कमी या अधिकता से भूख, नींद, वजन, शारीरिक वृद्धि और मनोदशा प्रभावित होती है।

रोग के कारण : जब थायरॉइड ग्लैंड से निकलने वाले हार्मोन में असंतुलन हो जाता है तो व्यक्ति इससे संबंधित रोग से ग्रसित हो जाता है। इसके अलावा आनुवंशिकता, जन्मजात रूप से ग्लैंड की संरचना में कोई गड़बड़ी, एंटीबायोटिक्स या स्टेरॉयड दवाओं के साइड इफेक्ट से भी थायरॉइड ग्लैंड की कार्य क्षमता प्रभावित हो सकती है।

रोग के प्रकार: आमतौर पर इस समस्या के दो रूप देखने को मिलते हैं, पहले प्रकार की समस्या को हाइपोथायरॉइडिज्म कहा जाता है। इसमें थायरॉइड ग्लैंड धीमी गति से काम करता है। इसकी वजह से शरीर के लिए आवश्यक हार्मोन टी-3 और टी-4 बहुत सीमित मात्रा में यानी जरूरत से कम मात्रा में बनता है। इससे टिएएसएच हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है, जो ग्लैंड को अधिक मात्रा में हार्मोन बनाने के लिए उत्तेजित करता है। दूसरी अवस्था को हाइपरथायरॉइडिज्म कहते हैं। इसमें टी-3 और टी-4 हार्मोंस अधिक मात्रा में बनने लगता है, इससे टिएएसएच यानी थायरॉइड स्टिमुलैटिंग हार्मोन का निर्माण सीमित मात्रा में होने लगता है। रिसर्च

हाल के वर्षों में बहुत सी महिलाएं थायरॉइड की समस्या से ग्रसित हो रही हैं। तथा है इस रोग के कारण, इसके लक्षणों को कैसे पहचानें, इससे बचाव और उपचार के बारे में डिटेल में जानिए।

थायरॉइड जानें लक्षण-कराएं उपचार



से यह तथ्य सामने आया है कि अधिकतर लोगों में हाइपो थायरॉइडिज्म यानी हार्मोन का स्तर घटने की समस्या देखने को मिलती है। हाइपरथायरॉइडिज्म यानी हार्मोन का स्तर बढ़ने की समस्या एक प्रतिशत लोगों में ही देखने को मिलती है।

प्रमुख लक्षण : इस रोग में अलग-अलग लक्षण दिख सकते हैं। हाइपोथायरॉइडिज्म में जहां वजन बढ़ना, कब्ज, बाल झड़ना, त्वचा में रूखापन, पीरियड्स में अनियमितता, थकान और सुस्ती जैसे लक्षण नजर आते हैं, वहीं हाइपरथायरॉइडिज्म में वजन घटना,



अंतराल पर नियमित जांच जरूरी है। इससे बचाव के लिए अपनी डाइट में सोयाबीन, बदंगोभी और बालूनी से परहेज करें। नियमित जांच और दवाओं का सेवन ही इसका एकमात्र उपचार है। गंभीर स्थिति में आयोडीन थेरेपी भी दी जाती है। यह जीवनशैली से जुड़ी समस्या है, स्वस्थ आदतें अपनाकर और दवाओं के नियमित सेवन से इसे आसानी से मैनेज किया जा सकता है।

लूज मोशन, बेचेनी, पीरियड्स में ज्यादा ब्लिडिंग, चिड़चिड़ापन और अनिद्रा जैसे लक्षण नजर आते हैं।
रोग के साइड इफेक्ट्स : थायरॉइड की समस्या के कई साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। कंसीव करने से पहले महिलाओं को थायरॉइड की जांच अवश्य करवा लेनी चाहिए। अगर कोई समस्या हो तो दवाओं के नियमित सेवन से उसे दूर करने के बाद ही पारिवारिक जीवन की शुरुआत करनी चाहिए। अन्यथा इसकी वजह से मिसकैरेज और शिशु में जन्मजात मानसिक दुर्बलता जैसी समस्याएं हो सकती हैं।
प्रस्तुत: विनीता

बचाव और उपचार

अगर थायरॉइड रोग से संबंधित कोई भी लक्षण नजर आए तो इसकी जांच अवश्य कराएं। अगर हाइपोथायरॉइडिज्म समस्या हो तो रोजाना सुबह खाली पेट दवाओं का सेवन जरूर करें। अगर हाइपरथायरॉइडिज्म हो, तो खाली पेट दवा लेना जरूरी नहीं है, आप किसी भी वक्त दवा ले सकते हैं। हर छह महीने के अंतराल पर नियमित जांच जरूरी है। इससे बचाव के लिए अपनी डाइट में सोयाबीन, बदंगोभी और बालूनी से परहेज करें। नियमित जांच और दवाओं का सेवन ही इसका एकमात्र उपचार है। गंभीर स्थिति में आयोडीन थेरेपी भी दी जाती है। यह जीवनशैली से जुड़ी समस्या है, स्वस्थ आदतें अपनाकर और दवाओं के नियमित सेवन से इसे आसानी से मैनेज किया जा सकता है।



हेयर केयर

शहनाज हुसैन, कॅन्सेलर/मैनेजर

बहुत सी महिलाएं अपने रूखे और बेजान दिखने वाले बालों से परेशान रहती हैं। इनके उपचार के लिए सैलून जाती हैं या कॉस्मेटिक उत्पादों का सहारा लेती हैं, लेकिन इसके बावजूद अकसर समस्या का सही समाधान नहीं मिल पाता। अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं तो कुछ बहुत ही आसान घरेलू तरीके से उपचार कर सकती हैं। कैसे, विस्तार से यहां बता रहे हैं आपको।
तेल और दही : आपकी रसों में रखा सरसों का तेल और दही बालों के रूखपन की समस्या को काफी हद तक



पाँली बैस को कहिए 'ना' ना होने दें पानी की बर्बादी सोलर एनर्जी का करें यूज

अवेयरनेस
बुधारा फातमा

जिदगी की भाग-दौड़ में हम अपनी सुविधाओं और लापरवाही के लिए प्रकृति पर लगातार बोझ डाल रहे हैं। आप दिन होने वाली प्राकृतिक आपदाएं हमें आगाह कर रही हैं कि अगर हमने समय रहते प्राकृतिक संसाधनों को नहीं सहेजा तो भविष्य में छोटी-छोटी चीजों के लिए हम तरसेंगे। इसलिए हमें अपनी जीवनशैली में कई तरह के बदलाव लाने की जरूरत है, जो सस्टेनेबल हों, जिससे हमारी जरूरत और प्रकृति के बीच संतुलन बना रहे।
जरूरतों को नियंत्रित करें: कई बार हम ऐसी चीजें भी खरीद लेते हैं, जिसकी जरूरत शायद ही कभी हमें पड़े। चूँकि वो चीज हमें

ड्राय बालों की ऐसे करें केयर

दूर कर सकता है। इसके लिए काच की कटोरी में दो चम्मच ताजा दही लें और उसमें एक चम्मच सरसों का तेल मिलाएं। दोनों को अच्छी तरह मिक्स करके एक चिकना पेस्ट तैयार करें। इस पेस्ट को अपने सिर की त्वचा और बालों की लंबाई पर अच्छी तरह लगाएं ताकि यह बालों में समा जाए और आधे घंटे बाद माइल्ड शैंपू से बाल धो डालें।
एलोवेरा जैल : ड्राय बालों को मांथ्रश्राइज करने में एलोवेरा जैल मदद करता है। एलोवेरा जैल को सीधे बालों पर लगाएं और 30 मिनट बाद धो लें। एलोवेरा



बालों में 30 मिनट के लिए लगाकर रखें और बाद में बालों को माइल्ड शैंपू से धो डालें। इससे ड्राय बाल मांथ्रश्राइज हो जाएंगे।
नींबू और दही : बालों की रूसी से छुटकारा पाने के लिए दही और नींबू को साथ मिलाकर

को बचाना है और अपने स्वास्थ्य का भी ख्याल रखना है तो पानी बोटल हमेशा घर से लेकर जाएं। कपड़े का बैग हमेशा साथ लेकर मार्केट के लिए निकलें ताकि प्लास्टिक बैग में सामान लेने की जरूरत न पड़े।
रोकें पानी की बर्बादी: यह बात हम सब जानते हैं कि साफ-मोटे पानी के प्राकृतिक स्रोत अब कम हो गए हैं, फिर भी हम पानी के अनावश्यक इस्तेमाल से खुद को रोक नहीं

पाते। वर्षा जल का संरक्षण भी जरूरी है। इसके लिए किचेन के वेस्ट वाटर को गार्डनिंग में इस्तेमाल कर सकते हैं। वॉश बेसिन में ब्रश करते समय, बाथरूम में नहाते समय पानी बर्बाद होने से रोकें।
ऊर्जा की बचत है जरूरी: घर में ऐसे लाइट्स लगवाएं, जिसमें ऊर्जा की कम खपत हो। संभव हो तो सोलर एनर्जी का यूज किया जा सकता है।

अगर आपकी है

रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से। हमें दिल्ली में अपने **कीचर विभाग** के लिए आवश्यकता है-
► वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
► प्रशिक्षु उप संपादक
► हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर
भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-

E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

खबर संक्षेप

कृतिका ने चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

उचाना। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भौगरा में संचालित की जा रही वुशु खेल नर्सरी के 12 खिलाड़ी रेवाड़ी में आयोजित खेले इंडिया व्हेन वुशु लीग चैंपियनशिप 2025 में हिस्सा लेने पहुंचे। कृतिका पुत्री राजवीर चहल ने 36 किलोग्राम भार वर्ग में गोल्ड मेडल प्राप्त करके क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कनिष्क ने सिल्वर मेडल एवम् नर्सरी के लक्ष्य द्वारा गोल्ड मेडल जीत कर अपने गांव भौगरा गांव का नाम रोशन किया। सभी विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए समारोह का आयोजन हुआ।

अमर टिप्पणी से देश का अपमान : कृष्ण पिलनी

पंडरी। भाजपा नेता कृष्ण शर्मा पिलनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी माताजी के खिलाफ कांग्रेस नेताओं द्वारा की गई घटिया और शर्मनाक टिप्पणी पूरे देश की 140 करोड़ जनता के आत्मसम्मान पर हमला है। यह केवल एक व्यक्ति का अपमान नहीं, बल्कि भारत माता का अपमान है, जिसे देशवासी किसी भी कीमत पर सहन नहीं करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने विज्ञान, ईमानदारी और मजबूत नेतृत्व से भारत को विश्व पटल पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। कांग्रेस इस उपलब्धि को पचा नहीं पा रही और हताशा में इस तरह की नीच राजनीति पर उतर आई है।

केएम राजकीय कॉलेज में प्रतियोगिता हुई

नरवाना। केएम राजकीय महाविद्यालय नरवाना में भौतिक विभाग द्वारा विभागाध्यक्ष डा. राजीव चहल के मार्गदर्शन में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। इस प्रतियोगिता में बीएससी फिजिकल साइंस, बीएससी लाइफ साइंस व बीएससी फिजियोलॉजी के विद्यार्थियों ने भाग लिया। बच्चों के पोस्टर ने विज्ञान एवं तकनीकी संबंधित संदेश दिया कि कैसे विज्ञान अपने दैनिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

लायंस क्लब ने वाटर कूलर लगवाया

नरवाना। लायंस क्लब नरवाना द्वारा नरवाना शहर के समाजसेवियों के सहयोग से जल सेवा की भावना से एक और वाटर कूलर की स्थापना इंडस्ट्रियल एरिया में की गई। क्लब के चेयरमैन पुनीत जैन ने बताया कि इससे पहले भी शहर में चार वाटर कूलर विभिन्न स्थानों पर नैहरू पार्क, हट्टु मार्केट, अग्रसेन चौक, अपोलो चौक पर शहर के विभिन्न समाज सेवियों के सहयोग से लायंस क्लब नरवाना द्वारा लगाए जा चुके हैं।

एसडीएम ने सुनीं लोगों की समस्याएं

नरवाना। एसडीएम जगदीश चंद्र की अध्यक्षता में सोमवार को उपमंडल स्तरीय समाधान शिविर संपन्न हुआ। स्थानीय लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित इस शिविर में सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे और जनसाधारण की समस्याएं सुनीं। एसडीएम ने बताया कि सभी जिला एवं उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर लगाए जा रहे हैं।

विजय प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज नरवाना

एसडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विभिन्न सदनों के बीच सामान्य ज्ञान विजय प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता विद्यालय के सभागार में प्रातःकालीन सत्र में हुई। जिसमें सभी सदनों के छात्र व छात्राओं ने बड़े उत्साह और आत्मविश्वास के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता का संचालन भगत सिंह सदन के शिक्षकों ने किया। मंच संचालन कर रहे भौतिक विज्ञान प्राध्यापक हरदीप राघवी ने प्रतिभागियों का परिचय कराया और प्रतियोगिता के नियम बताए। उसके बाद प्रश्नोत्तरी प्रारंभ हुई।

राहुल गांधी और तेजस्वी यादव से सार्वजनिक माफी की मांग
भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के खिलाफ की नारेबाजी, पुतला दहन

हरिभूमि न्यूज कैथल

भाजपा कैथल जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी की अध्यक्षता में वरिष्ठ भाजपा नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जिला सचिवालय कैथल के बाहर कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला दहन कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की दिवंगत माता के विरुद्ध बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान की गई कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर भाजपा महिला मोर्चा ने हरियाणा के सभी 27 संगठनात्मक जिलों में विरोध-प्रदर्शन आयोजित किए और राहुल गांधी तथा आरजेडी नेता तेजस्वी यादव से सार्वजनिक माफी की मांग की। भाजपा जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी ने कहा कि "राजनीति में विचारधारा और नीतियों को लेकर मतभेद हो सकते हैं, लेकिन किसी भी महिला के सम्मान पर चोट अस्वीकार्य है। प्रधानमंत्री मोदी का नाम लेकर उनकी दिवंगत मां के खिलाफ अपशब्द कहना न केवल राजनीतिक गिरावट है, बल्कि भारतीय संस्कृति और मर्यादा का भी अपमान है।" वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक गुर्जर ने कहा कि "कांग्रेस नेताओं की यह बयानबाजी



कैथल। भाजपा नेता व कार्यकर्ता राहुल गांधी का पुतला दहन करते हुए।

फोटो: हरिभूमि

देश की हर मां का अपमान : विधायक जाम्बा

विधायक सतपाल जाम्बा ने कहा कि "प्रधानमंत्री मोदी की माता पर व्यक्तित्व टिप्पणी करना शर्मनाक है और जनता इसे कभी बर्दाश्त नहीं करेगी।" इस अवसर पर ज्योति सैनी जिलाध्यक्ष, अशोक गुर्जर वरिष्ठ भाजपा नेता, पूर्व जिलाध्यक्ष मुनीष कठवाड़, पुंडरी विधायक सतपाल जाम्बा, पूर्व राज्यमंत्री कमलेश दांडा, जसवंत पठानिया वाइस चेयरमैन डी.न.टी. बोर्ड हरियाणा, कर्मबीर कॉल चेयरमैन जिला परिषद कैथल, सुरभि गर्ग चैरपर्सन नगर परिषद कैथल, पूर्व विधायक कुलवंत बाजीगर, अरुण सराफ

गर्ग, राजपाल तंवर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य व मुनीश शर्मा फरल जिला महामंत्री, हिमांशु गोयल जिला मीडिया प्रभारी, अनिता चौधरी जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा, मोगे राम जिंदल, कुलविंदर राणा, शैली मुन्जाल, रामभरम शर्मा

कुराड़, शक्ति सोदा, जंगीर सिसला (जिला उपाध्यक्ष), रघुबीर फौजी, अजय प्रताप राणा, आशा रानी, हर्ष सेठी, अवधेश किशोर राय (जिला सचिव), भीमसेन अग्रवाल जिला सोशल मीडिया प्रभारी, अशोक मित्तल (कोषाध्यक्ष), हरिचंद्र

ये बोले

कैथल नगर परिषद चेयरपर्सन सुरभि गर्ग ने कहा कि "राहुल गांधी की यह टिप्पणी न केवल भाजपा कार्यकर्ताओं का अपमान है बल्कि पूरे देश की संस्कृति के खिलाफ है। यह मानसिकता बताती है कि कांग्रेस महिलाओं को केवल वोट बैंक समझती है, सम्मान नहीं देती।"

भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट संदेश दिया कि "महिलाओं के सम्मान पर किसी भी प्रकार का हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कांग्रेस को जनता के सामने इस शर्मनाक टिप्पणी के लिए जवाब देना ही होगा।"

भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष अनिता चौधरी ने कहा कि "यह भारत की नारी शक्ति के सम्मान पर सीधा आघात है। राजनीति में विरोध होना चाहिए, लेकिन किसी जीवन पर प्रहार कांग्रेस की घटिया सोच को दर्शाता है।"

जांगड़ा (कार्यालय सचिव), रविन्द्र धीमान (जिला आई.टी. प्रमुख), राजेश बिधान एडवोकेट (जिला मन की बात प्रमुख) और वीरेंद्र बत्तरा (जिला प्रवक्ता) व अक्षरा गुप्ता, निधि मोहन, कमलजोत कौर उपस्थित रहे।



जीद। उझाना में बरसाती पानी की निकासी के लिए चलाए जा रहे पंप सेट का निरीक्षण करते हुए कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी।

फोटो: हरिभूमि

अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश
कैबिनेट मंत्री बेदी ने पंप सेटों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज नरवाना

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि हाल ही में प्रदेश भर में हो रही भारी बरसात रूपा प्राकृतिक आपदा के दौरान राज्य सरकार पूर्ण रूप से किसानों के साथ खड़ी है। इस बरसात से प्रदेश के इलाकों में अनेक जगह फसलों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। जिसमें नरवाना विधानसभा क्षेत्र के भी कई गांव प्रभावित हैं। इस प्रतिकूल स्थिति में किसान को चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है। बरसाती पानी से होने वाले उनकी फसल या पशुधन इत्यादि सभी प्रकार के नुकसान की पाई-पाई की भरपाई सरकार द्वारा की जाएगी। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने किसानों को यह आश्वासन सोमवार को उझाना गांव में सिंचाई विभाग द्वारा बरसाती पानी की निकासी के लिए लगाए गए पंप सेट का निरीक्षण करने के उपरांत दी। उन्होंने धमतान डिस्ट्रिक्ट्री पर संचालित इस

पानी निकासी की जाए

मंत्री ने मौजूद विभागीय अधिकारियों को पानी निकासी के इस कार्य को सुचारू रूप से एवं युद्धस्तर पर निरंतर जारी रखने के निर्देश दिए। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि इन पंपसेटों से प्रति सैकंड 70 क्यूसेक पानी निकासी हो रही है। इनमें 20.20 क्यूसेक पानी निकासी क्षमता के दो पंपसेट तथा 10-10 क्यूसेक पानी निकासी क्षमता के तीन सेट सुचारू रूप से संचालित हैं। इनसे उझाना नैवेवाला, कोयल, कुराड़, दुबल सहित पांच गांवों के खेतों से बरसाती पानी की निकासी की जा रही है। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने मौके पर मौजूद उझाना सहित आसपास के गांवों से आए हुए किसानों से भी बात की और बरसात की वजह से हो रहे फसल नुकसान के बारे में जाना। उन्होंने कहा कि आपदा की इस घड़ी में सरकार व प्रशासन किसानों के साथ है और फसली व पशुधन नुकसान का मुआवजा दिया जाएगा।

पम्पसेट का अधिकारियों की टीम के साथ मौका मुआयना किया और जल निकासी के कार्य का जायजा लिया।

जिला स्तरीय स्कूल खेल स्पर्धा में चमके ध्रुव पब्लिक स्कूल फतेहपुर के खिलाड़ी

हरिभूमि न्यूज पुंडरी

23 से 29 अगस्त तक हुई जिला स्तरीय स्कूल खेलकूद प्रतियोगिता में ध्रुव पब्लिक स्कूल फतेहपुर के खिलाड़ियों ने विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। जिसमें अन्व ने कराटे प्रतियोगिता में जिले में प्रथम स्थान हासिल किया, वॉलीबॉल की टीम जिला स्तर पर प्रथम रही और आयुष ने राज्य स्तरीय वॉलीबॉल टीम में अपना स्थान हासिल किया। टेबल टेनिस में अपने प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए जितन ने राज्य स्तर के लिए क्वालीफाई किया, क्रिकेट प्रतियोगिता में तमना ने



पुंडरी। विजेता खिलाड़ियों के साथ स्कूल स्टाफ।

फोटो: हरिभूमि

अपना जिला स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तर के लिए टीम में क्वालीफाई किया, बैडमिंटन में 14 वर्षीय टीम में बेहतर प्रदर्शन करते हुए वृष्टि और निमरत ने जिला स्तर

की टीम में अपना स्थान हासिल किया और राज्य स्तर के लिए सभी खिलाड़ियों ने क्वालीफाई किया। जिला स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करते हुए दमखम दिखाया।

फेंसिंग में बच्चों ने किया शानदार प्रदर्शन

विजेता बच्चों को सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज जीद

हिसार के सिसाई गांव में आयोजित 20वीं सब जूनियर एवं कैडेट फेंसिंग चैंपियनशिप में डीएवी स्कूल जीद के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन किया। सब जूनियर कैटेगरी में अभय सैनी ने ईपी इवेंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अरमान सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

एंजेलिना, प्रिशा, तुषा ने टीम में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अर्पिता ने साइबर इवेंट में प्रथम स्थान, गौरिका ने द्वितीय स्थान व कनिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। फॉयल में लक्षिता गिल ने प्रथम, प्राची ने



जीद। प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी।

फोटो: हरिभूमि

तृतीय एसाक्षी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। साइबर इवेंट में जितेश ने

द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंडर 17 कैटेगरी में खुशी ने गोल्ड, सक्षम ने

प्रेरित किया

प्राचार्य रश्मि विद्यार्थी ने सबका मनोबल बढ़ाते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया व आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

सिल्वर यज्ञदत्त ने सिल्वर, प्राची ने गोल्ड, प्राची ने सिल्वर, अर्पिता ने सिल्वर, कार्तिक व लोकेश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनके प्रदर्शन से खुश होकर प्राचार्य रश्मि विद्यार्थी ने बच्चों को मेडल पहना कर सम्मानित किया व 10 खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में आने पर उन्हें बढ़ाई दी।

विभाग को शाहपुर में मिला डेंगू का मरीज

जिले में डेंगू के मामलों की संख्या हुई 11, बचाव के लिए लगातार किया जा जागरूक

हरिभूमि न्यूज जीद

लगातार हो रही बारिश से अब डेंगू के मामले भी बढ़ने लगे हैं। जिले में अब तक इनकी संख्या 11 हो चुकी है। बीते सप्ताह शहर की चारबी कालोनी में चारबी कालोनी में डेंगू का एक केस मिला था तो सोमवार को शाहपुर गांव में 38 वर्षीय युवक डेंगू संक्रमित रोपोर्ट मिला है। स्वास्थ्य विभाग को मलेरिया का भी एक मामला इस वर्ष मिला है। सोमवार को शाहपुर गांव में डेंगू का मामला सामने आने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पीड़ित के मकान के आसपास फोर्गिंग करवाने के

अभियान चलाया जा रहा

स्वास्थ्य निरीक्षक राममेहर वर्मा ने बताया कि मलेरिया व डेंगू से बचाव के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके अलावा कालोनी में जहां जहां सीवरेज तथा पीने के पानी की लोकेज मिली, उसके ठीक करवाने के लिए जन स्वास्थ्य विभाग नगर परिषद के अधिकारियों को पत्र लिखा गया। स्वास्थ्यकर्मियों ने घर-घर जाकर लोगों को बताया कि प्रत्येक व्यक्ति यदि थोड़ी सी सावधानी करके अपने घर तथा आसपास की सफाई करते हुए गहोरे खाली पड़े टायरों व गमलों आदि में गंदा पानी खड़ा न होने दे पानी के बर्तनों को ढक कर रखें। सौते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें। सप्ताह में एक बार कुलर, फूलदान, पशु व पक्षियों के पानी के बर्तनों तथा हौदी को सुखा कर ही भरे तो डेंगू व मलेरिया व चिकनगुनिया के अलावा डायरियाए हज़ज व पॉलिया जैसे गंभीर रोगों से बचाया जा सकता है।

निर्देश दिए हैं। इसके अलावा परिजन व अन्य बुखार पीड़ितों के संपर्क भी लिए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग इन बीमारियों से बचाने के लिए शहर व ग्रामीण स्तर पर बचाव की जानकारी देने के लिए जागरूकता अभियान चलाए हुए है।

इसके बावजूद बुखार से पीड़ित लोगों की जांच के लिए रक्त के नमूने लिए जा रहे हैं। स्वास्थ्य कर्मचारियों ने जहां दूषित पानी से होने वाली डायरिया जैसे बीमारियों से बचाव के लिए पानी साफ करने वाली क्लोरीन की गोलियां तथा

ओआरएस व जिंक की गोलियां भी वितरित की और पीने के पानी के संपर्क लेकर जांच के लिए भिजवाए। जहां पर डेंगू का मरीज मिल रहा है। उस परिवार व आसपास के मकानों में बीमार लोगों के भी संपर्क ले रहे हैं।

अब तक 11 केस

जिला मलेरिया अधिकारी डा. बिजेन्द्र दांडा ने बताया कि अब तक जिला में डेंगू के केवल 11 ही मामले सामने आए हैं। लोगों को जागरूक किया जा रहा है। सर्दी व कंपन के साथ तेज बुखार, उल्टियां लगने, गर्मी लगने, बुखार एक दिन छोड़ कर दूसरे दिन आनाए उल्टी दस्त होने, शरीर में कमजोरी आने पर मरीज को तुरंत अपने आसपास के स्वास्थ्य केंद्र या स्वास्थ्य कार्यकर्ता के पास ले जाकर खून की जांच करवाएं।

नगर पालिका ने लगाया 16 लाख का टेंडर

हरिभूमि न्यूज उचाना

भौगरा रोड से प्राचीन शिव मंदिर को जाने वाली गली निर्माण की राहगीरों, श्रद्धालुओं एवं विद्यार्थियों की वर्षों पुरानी मांग पूरी हो गई है। नगर पालिका द्वारा गली निर्माण को लेकर 16 लाख रुपये का टेंडर लगाया गया है।

भौगरा रोड से रेलवे स्टेशन तक गली का निर्माण होगा। यहां पर सड़क का लेबल गली से उंचा होने के चलते बिना बारिश के ही जलभराव होता था। मंदिर को जाने वाले श्रद्धालुओं के अलावा स्कूल में जाने वाले विद्यार्थियों एवं राहगीरों को गंदे पानी से होकर आना-जाना



उचाना। उचाना कलां के प्राचीन शिव मंदिर को जाने वाली गली जिसका निर्माण नगर पालिका करवाएगी।

फोटो: हरिभूमि

जलभराव के कारण होती थी परेशानी

गली निर्माण को लेकर टेंडर लगाए जाने पर विधायक देवेन्द्र चतरसुज अत्री, नया चेयरमैन विकास काला का आभार प्रकट किया। श्रद्धालु अजमेर, राहुल, सदीप, अमित ने कहा कि प्राचीन शिव मंदिर के साथ-साथ रेलवे स्टेशन, शहर की तरफ जाने वाले लोगों के साथ-साथ स्कूल में आने-जाने वाले विद्यार्थियों को यहां पर बिना बारिश के जलभराव होने से परेशानी का सामना करना पड़ता है। सीवरेज ओवर फ्लो होने के बाद गंदे पानी गली में भर जाता है। यहां पर जलभराव होना आम बात है।

पड़ता था। यहां स्थित दुकानों के मालिकों एवं मकान मालिकों का जीन दूधर गंदे पानी गली में भरने से हो जाता है।

राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में किया बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

व्यक्ति के अंदर अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास पैदा करता है खेल : ज्योति सैनी

हरिभूमि न्यूज कैथल

राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में चौधरी छोटू राम इंडोर खेल स्टेडियम कैथल में बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी को नमन किया और विजेता टीम को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए



भिवानी। भाजपा जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए।

भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी ने कहा कि मेजर ध्यानचंद ने भारत को खेल जगत में एक नई पहचान दिलाई। जिसकी बदौलत आज के युवाओं का खेलों के प्रति काफी

रुझान देखने को मिल रहा है। खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास भी पैदा करते हैं। ओलंपिक खेलों में मेडल लाने में

पहला मैच हिन्दू गर्ल्स स्कूल कैथल ने जीता

जिला खेल अधिकारी राजनी ने बताया कि बास्केटबॉल के दो मैच हुए। पहला मैच हिन्दू गर्ल्स स्कूल कैथल तथा डीएवी स्कूल के छात्राओं के बीच हुआ। इसमें हिन्दू गर्ल्स स्कूल ने विजय प्राप्त की। वहीं दूसरा मैच चौधरी छोटू राम इंडोर स्टेडियम के खिलाड़ियों और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल कैथल खेल नर्सरी के खिलाड़ियों के बीच आयोजित हुआ। इसमें चौधरी छोटू राम इंडोर स्टेडियम की टीम की जीत हुई। इस अवसर पर महामंत्री सुरेश रांघु, मनीष शर्मा, जिला सचिव अवधेश किशोर, रविंदर धीमान, सतपाल मारहाना, कार्यकारी खेल अधिकारी गुरमीत सिंह, प्रभात, जोगिंद, शैली, सदीप, हकीकत, दिलवर और विभिन्न खेलों के कोच व स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

सबसे ज्यादा योगदान हरियाणा के खिलाड़ियों का रहता है। आज की इस बास्केटबॉल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों की मुस्कान, खेलों के प्रति उत्साह और भविष्य के लिए मेहनत देखकर अच्छा लगा।